M.A. - I (Pali and Prakrit)(with Credits)-Regular-Semester 2012 Sem I

MAPAL114-3 - Paper-III : Vinaypitak Va Pali Vyakran (Old)

(विनयपिटक व पालि व्याकरण)

P. Pages : 2 **GUG/W/16/2908**

Time : Three Hours * 3 7 7 4 * Max. Marks : 80

सूचना :- 1. स्वीकृत माध्यमातून उत्तरे लिहा.
स्विकृत माध्यम में उत्तर लिखिए।
2. सर्व प्रश्न अनिवार्य आहेत.
सभी प्रश्न अनिवार्य है।

1. ससंदर्भ भाषांतर करा **कोणतेही दोन.** **20**
ससंदर्भ अनुवाद कीजिए **कोई भी दो।**

अ) अथ खो भगवा पाटलिगामिके उपासिके आमन्तेसि - पञ्चिमे, गहपतयो, आदीनवा दुस्सीलस्स सील विपत्तिया। कतमे पञ्च? इध, गहपतयो, दुस्सीलो सीलविपन्नो पमादाधिकरणं महतिं भोगजानिं निगच्छति । अयं पठमो आदीनवो दुस्सीलस्स सीलविपत्तिया।
'पुनं च परं, गहपानयो, दुस्सीलस्स सीलविपन्नस्स पापको कित्तिसद्दो अब्भुग्गच्छति अयं दुतियो आदीनवो दुस्सीलस्स सीलविपत्तियाप्पुनं च परं, गहपतयो, दुस्सीलस्सीलविपन्नो यञ्ञदेवं परिसं उपसङ्कमति - यदि खत्तिय परिसं, यदि ब्राह्मणपरिसं, यदि गहपतिपरिसं, यदि समणपरिसं - अविसारदो उपसङ्कमति मङ्कुभूतो अयं ततियो आदीनवो दुस्सीलस्स सीलविपत्तिया

ब) अथ खो भगवा अपिरपक्कन्ते वस्सकारे ब्राह्मणे मगधमहामत्ते आयस्मन्तं आनन्दं आमन्तेसि - 'गच्छ त्वं आनन्द। यावतिका भिक्खू राजगहं उपनिस्साय विहरन्ति, ते सब्बे उपट्ठानसालायं सन्निपातेहि' ति। 'एवं भन्ते' ति खो आयस्मा आनन्दो भगवतो पटिस्सुत्वा यावतिका भिक्खू राजगहं उपनिस्साय विहरन्ति, ते सब्बे उपट्ठानसालाय सन्निपातेत्वा येन भगवा तेनुपङ्कमि। उपसङ्कमित्वा भगवन्तं अभिवादेत्वा एकमन्तं अट्ठासि एकमन्तं ठितो खो आयस्मा आनन्दो भगवन्तं एतदवोच सन्निपतितो भन्ते। भिक्खुसंघो। यस्स दानि भन्ते। भगवा कालं मञ्ञसी' ति। अथ खो भगवा उट्ठायासना येन उपट्ठानसाला, तेनुपसङ्कमि। उपसङ्कमित्वा पञ्ञत्ते आसने निसीदि।

क) अथ खो सुनीधवस्सकारा मगधमहामत्ता येन भगवा, तेनुपसङ्कमिंसु। उपसङ्कमित्वा भगवता सध्दिं सम्मोदिंसु। सम्मोदनीयं कथं साराणीयं वीतिसारेत्वा एकमन्तं अट्ठंसु। एकमन्तं ठिता खो सुनीधवस्सकारा मगधमहामत्ता भगवन्तं एतदवोचु 'अधिवासेतु नो भन्ते। भवं गोतमो अज्जतनाय भत्तं सध्दिं भिक्खुसंघेना' ति। अधिवासेसि भगवा तुव्हीभावेन। अथ खो सुनीधवत्सकारा मगध महामत्ता भगवतो अधिवासानं विदित्वा येन सको आवसथो, तेनुपसङकमिंसु । उपसङ्कमित्वा सके आवसथे पणीतं खादनीयं भोजनीयं पटियादापेत्वा भगवतो कालं आरोचापेसुं कालो भो गोतम। निट्ठितं भत्तन्ति।

2. अ) भिक्खुंची हानी न होण्याकरिता भगवान बुध्दांनी सांगितलेल्या सात गोष्टींची सविस्तर माहिती सांगा. **10**
भिक्षुओं की हानी न होने के लिए भगवान बुध्द ने बताए सात बातों की विस्तार से जानकारी बताईए।

OR / अथवा

दीघनिकायात 'महापरिनिब्बानसुत्तांचे' स्थान व महत्त्वं स्पष्ट करा.
दीघानिकाय में 'महापरिनिब्बानसुत्तं'का स्थान एवं महत्त्वं स्पष्ट कीजिए।

ब) टिपणे लिहा **कोणतेही दोन** **10**
टिप्पणियाँ लिखिए **कोई भी दो।**

1) राजगहे
2) सारिपुत्तस्स सीहनादो
3) पाटलिगामें नगरमापनं
4) सत्त अपरिहानिया धम्मा

munotes.in

3. अ) ससंदर्भ भाषांतर करा. **10**
ससंदर्भ अनुवाद कीजिए।

अथ खो भगवा सत्ताहस्स अच्चयेन तम्हा समाधिम्हा वुट्ठहित्वा मुचलिन्दमूला येन राजायतनं तेनुपसङ्कमि; उपसङ्कमित्वा राजायतनमूले सत्ताहं एकपल्लङ्केन निसीदि विमुत्तिसुखपटिलवेदी। तेन खो पन समयेन तपुस्सभल्लिका वाणिजा उक्कला तं देसं अध्दानमग्गप्पटिपन्ना होन्ति। अथ खो तपुस्स भल्लिकानं वाणिजानं ञातिसालोहिता देवता तपुस्सभल्लिकेन वाणिजे एतदवोच - 'अयं, मारिसा, भगवा राजायतनमूले विहरित पठमाभिसम्बुध्दो; गच्छथ तं भगवन्तं मन्थंन च मधुपिण्डिकाय च पतिमानेथ; तं वो भविस्सति दीघरत्तं हिताय सुखाया'' ति। अथ खो तपुस्सभल्लिका वाणिजा मन्थं च मधुपिण्डिकं च आदाय येन भगवा तेनुपसङ्कमिंसु उपसङ्कमित्वा भगवन्तं अभिवादेत्वा एकमन्तं अट्ठंसु।

OR / अथवा

एवं वुत्तो भगवा पञ्चवग्गियो भिक्खू एतदवोच - 'मा, भिक्खवे, तथागतं नामेन च आवुसोवादेन च समुदाचरथ अरहं, भिक्खवे, तथागतो, सम्मासम्बुध्दो, ओदाहथ, भिक्खवे, सोतं, अमतमाधिगतं, अहमानुसासामि, अहं धम्मं देसेमि। यथानुसिट्ठ तथा पटिपज्जमाना न चिरस्सेव - यस्सत्थाय कुलपुत्ता मम्मदेव अगारस्मा अनगारियं पब्बजन्ति तदनुत्तरं ब्रह्मचरिय परियोसानं दिट्ठे व धम्मे सयं अभिञ्ञासच्छिकत्वा उपसम्पज्ज विहरिस्सथा' ति। एवं वुत्ते पञ्चवाग्गेया भिक्खू भगवन्तं एतदवोचुं - 'ताय पिखो त्वं, आवुसो गोतम, चरियाय, ताय पटिपदाय, ताय दुक्करकारिकाय नेवज्झगा उत्तरिमनुस्सधम्मं अलमरियञाणदस्सनविसेसं, किं पन त्वं एतरहि, बाहुल्लिको पधानविब्भन्तो आवत्तो बाहुल्लाय, अधिगमिस्ससिउत्तरमुनस्सधम्मं अलमरियञाणदस्सनविसेसं'' ति? एवं वुतो भगवा पञ्चवग्गिये भिक्खू एतदवोचं -

ब) मुचलिन्दकथेचा सारांश सांगा. **5**
मुचलिन्द कथा का सार बताईए।

OR / अथवा

अजपाल कथेचा सारांश लिहा.
अजपाल कथा का सार लिखिए।

4. अ) तिन्ही काळाची रुपे लिहा **कोणतेही दोन** **10**
तिन्ही काल के रुप लिखिए **कोई भी दो**

1) गम 2) कर

3) भू 4) पठ

ब) टिपणे लिहा **कोणतेही एक.** **5**
टिप्पणियाँ लिखिए । **कोई भी एक।**

1) मोग्गलायन व्याकरणकार

2) सद्दनिती व्याकरणकार

5. टिपणे लिहा **कोणतेही दोन.** **10**
टिप्पणियाँ लिखिए। **कोई भी दो।**

1) विनय पिटक 2) महावग्ग

3) कच्चायन व्याकरणकार 4) चार आर्य सत्य

****

munotes.in